सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

प्रेरणा

"महान चीजें कभी भी कम्फर्ट ज़ोन में नहीं मिलतीं।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	37°	25°
शनिवार	35°	24°
रविवार	36°	26°
सोमवार	38°	28°
मंगलवार	46°	29°
बुधवार	47°	30°
वीरवार	47°	29°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 29 MAY TO 04 JUNE 2026 • VOLUME 45 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?
What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

केवल सिंह ढिल्लों पंजाब भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

भाजपा ने दिल्ली, त्रिपुरा और हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष भी बदले

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने सुनील जाखड़ के स्थान पर केवल सिंह ढिल्लों को पार्टी की पंजाब इकाई का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। नवनियुक्त

अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने गुरुवार को राज्य के किसानों और युवाओं के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना प्रस्तुत करते हुए विश्वास जताया कि पार्टी 2027 के विधानसभा चुनावों में विजयी होगी। ढिल्लों ने कहा कि हमें पंजाब को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए काम करना होगा। हम किसानों के कल्याण के लिए काम करेंगे और युवाओं को रोजगार प्रदान करेंगे। भाजपा पंजाब में अगली सरकार बनाएगी। केवल सिंह ढिल्लों पूर्व कांग्रेस नेता हैं और बरनाला निर्वाचन क्षेत्र से पंजाब विधानसभा के सदस्य (2012-17) रह चुके हैं। ढिल्लों 4 जून, 2022 को भाजपा में शामिल हुए थे। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भी ढिल्लों को इस नई भूमिका के लिए बधाई दी। उन्होंने एक पोस्ट में कहा कि पूरे पंजाब में पार्टी को मजबूत करने में उनकी सफलता की कामना करता हूं।

ढिल्लों के साथ-साथ भाजपा ने दिल्ली, त्रिपुरा और हरियाणा के लिए भी नए प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति की है। अर्चना गुप्ता को भाजपा की हरियाणा इकाई का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष बने हैं। हरियाणा भाजपा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को उनके भरोसे के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि उनकी प्राथमिकता संगठन को और मजबूत करना, सांप्रदायिक सद्भाव लाना और राजनीति एवं अर्थव्यवस्था में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना होगी। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण हमारा प्रमुख लक्ष्य रहेगा। जब प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू किया, तो अन्य राजनीतिक दलों ने इसका विरोध किया। महिलाओं को स्पष्ट रूप से पता चल गया कि कौन सी पार्टी उनका समर्थन कर रही है और कौन सी विरोध कर रही है। बंगाल में लोगों ने टीएमसी को करारा जवाब दे दिया है। महिलाएं भाजपा, प्रधानमंत्री और हरियाणा के मुख्यमंत्री के साथ मजबूती से खड़ी रहेंगी।

जाखड़ जी को मेरी हार्दिक संवेदनाएं : सीएम मान

पंजाब में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी केवल सिंह ढिल्लों को सौंपे जाने पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बरनाला में 2017-2019 और 2024 के चुनावों में कांग्रेस से पराजित हुए बीजेपी नेता केवल ढिल्लों को बीजेपी अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई। सुनील जाखड़ को मेरी हार्दिक संवेदनाएं। सीएम भगवंत मान ने आगे कहा, 'ईश्वर रवनीत बिट्टू, मनप्रीत बादल, फतेहजंग बाजवा, तरुण चुघ और अश्वनी शर्मा आदि को इस अपमान को सहने की शक्ति प्रदान करें।'

भाजपा पंजाब में नेतृत्व को आउटसोर्स कर रही है : वड़िंग

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूर्व कांग्रेसी नेता केवल सिंह ढिल्लों को अपना प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर तंज कसा है। इस नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा द्वारा केवल सिंह ढिल्लों को प्रदेश अध्यक्ष बनाना अपने आप में पंजाब में पार्टी की स्थिति को बयान करता है। उन्होंने कहा कि जो पार्टी पंजाब में सरकार बनाने के "दिन में सपने" देख रही है, उसे अपने ही घर में प्रदेश की अगुवाई करने के लिए कोई योग्य व्यक्ति नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी के पास अब अपने प्रदेश अध्यक्ष भी आउटसोर्स करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है और उसने लगातार दूसरी बार पूर्व कांग्रेसियों को, पहले सुनील जाखड़ और अब केवल सिंह ढिल्लों को नियुक्त किया है।

नीट विवाद पर राजनाथ सिंह ने की हाई-लेवल मीटिंग, धांधली रोकने को लेकर हुआ मंथन

नई दिल्ली. केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नीट यूजी 2026 परीक्षा पेपर लीक विवाद पर एक महत्वपूर्ण बैठक की

अध्यक्षता की। बैठक 40 मिनट तक चली और इसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, राष्ट्रीय शिक्षा प्राधिकरण (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह और प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। सूत्रों के अनुसार, चर्चा का मुख्य केंद्र छात्रों और अभिभावकों के बीच नीट परीक्षा की विश्वसनीयता बहाल करना था। अधिकारियों ने परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर भी विचार किया। इससे पहले धर्मेंद्र प्रधान ने सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) मूल्यांकन प्रक्रिया में हुई त्रुटियों की जिम्मेदारी ली। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि अनियमितताएं जानबूझकर की गई थीं, तो सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। प्रधान ने बताया कि सीबीएसई ने ओएसएम प्रणाली का उपयोग करके पहली बार लगभग चालीस करोड़ पृष्ठों की उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन किया है, जिसे उन्होंने विश्व स्तर पर स्वीकृत और छात्र-केंद्रित बताया। उन्होंने कहा कि बोर्ड छात्रों द्वारा सामना की जा रही तकनीकी और भुगतान संबंधी समस्याओं को हल करने के लिए काम कर रहा है।

छात्रों की परवाह है तो धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करें : राहुल गांधी

नई दिल्ली. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग मूल्यांकन प्रक्रिया में अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की कड़ी आलोचना की और उन पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वास्तव में छात्रों की परवाह होती तो उन्हें प्रधान को बर्खास्त कर देना चाहिए था। एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने सवाल उठाया कि सीबीएसई ओएसएम का ठेका कोईएमपीटी को क्यों दिया गया, जो पहले ग्लोबरेना के रूप में काम करते समय विवादों में घिरी कंपनी थी। राहुल गांधी ने लिखा कि धर्मेंद्र प्रधान जी, आप मुझ पर जितना चाहें हमला कर सकते हैं, लेकिन इससे आपके अपराध माफ नहीं होंगे। और न ही यह मुझे 18.5 लाख बच्चों के लिए जवाब मांगने से रोकेगा। उन्होंने आगे पूछा कि यह किसके आदेश पर किया गया? पृष्ठभूमि की जांच क्यों नहीं की गई? कोईएमपीटी के प्रबंधन और मोदी सरकार के बीच क्या संबंध है?

जमानत रद्द होते ही रिटायर्ड जज सास गिरफ्तार

भोपाल. मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा अग्रिम जमानत रद्द किए जाने के एक दिन बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को ट्विशा शर्मा की सास गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार कर लिया। सेवानिवृत्त न्यायाधीश गिरिबाला सिंह को केंद्रीय जांच एजेंसी ने साढ़े छह घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। गिरिबाला को 15 मई को सत्र न्यायालय द्वारा अग्रिम जमानत दी गई थी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने मामले के तथ्यात्मक पहलुओं और गिरिबाला पर लगे आरोपों के आलोक में इसे रद्द कर दिया। अवकाशकालीन न्यायाधीश देव नारायण मिश्रा ने 17 पृष्ठ के फैसले में यह भी कहा कि ट्विशा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट

ट्विशा शर्मा मौत मामला

से पता चलता है कि मृत्यु से पहले उन्हें अतिरिक्त चोटें आई थीं, जो शव को रस्सी से निकालने या अस्पताल ले जाने के कारण नहीं लगी थीं। ट्विशा के परिवार ने उच्च न्यायालय के आदेश का स्वागत किया और कहा कि न्याय मिल गया है। पीड़ित परिवार का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील अनुराग श्रीवास्तव ने भी कहा था कि गिरिबाला 36 वर्षों तक न्यायिक सेवा में रहीं। यदि उनके मन में कानून के प्रति कोई सम्मान है, तो मुझे लगता है कि उन्हें विवेक का प्रयोग करना चाहिए और सीबीआई के समक्ष सम्मानपूर्वक आत्मसमर्पण करना चाहिए और आगे की जांच में जांच एजेंसी के साथ सहयोग करना चाहिए।

ट्विशा के परिवार ने गिरिबाला और उनके बेटे समर्थ सिंह पर दहेज के लिए उनकी बेटी को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। परिवार का कहना है कि समर्थ और गिरिबाला ने ट्विशा को गंभीर मानसिक उत्पीड़न का शिकार बनाया।

सिद्धारमैया ने सीएम पद से दिया इस्तीफा

बेंगलुरु. सिद्धारमैया ने गुरुवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे कांग्रेस में कई दिनों से चल रही खींचतान का अंत हो गया। सिद्धारमैया ने कहा कि कांग्रेस ने उन्हें पद छोड़ने के लिए कहा है ताकि उनके उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद पर पदोन्नत किया जा सके। यह घटनाक्रम सिद्धारमैया द्वारा कैबिनेट सहयोगियों के साथ नाश्ते पर हुई बैठक के कुछ ही घंटों बाद सामने आया है, जिसमें शिवकुमार भी उपस्थित थे, और जिसमें उन्होंने अपने पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया था।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कर्नाटक के राज्यपाल के विशेष सचिव प्रभु शंकर को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत, जो राज्य से बाहर हैं, आज रात लौट रहे हैं। सिद्धारमैया ने पत्रकारों से कहा कि मुझे विश्वास है कि राज्यपाल के वापस आने

पर वे मेरा इस्तीफा स्वीकार कर लेंगे। उन्होंने कहा कि मैंने आज अपना इस्तीफा सौंप दिया है, इससे पहले हाई कमांड ने मुझे इस्तीफा देने के लिए कहा था। मुझे पूरा विश्वास है कि राज्यपाल के आने पर वे इसे स्वीकार कर लेंगे, क्योंकि संविधान के अनुसार ऐसा करना आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे पास पूर्ण बहुमत है। इसलिए, मुख्यमंत्री को सरकार बनाने की अनुमति देना संवैधानिक रूप से उचित है।

बंगाल में बीएसएफ को 600 हेक्टेयर जमीन शाह बोले- 'एक-एक घुसपैठिए को बाहर करेंगे'

कोलकाता. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में अवैध घुसपैठ पर कड़ा बयान जारी किया जिसस संकेत मिलता

है कि केंद्र भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए आक्रामक कदम उठाने की तैयारी कर रहा है। गुजरात के गांधीनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए गृहमंत्री शाह ने कहा कि सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने सीमा सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने के लिए मात्र सात दिनों के भीतर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को लगभग 600 हेक्टेयर भूमि सौंपी है। उन्होंने कहा कि रणनीतिक रूप से संवेदनशील "चिकन नेक" कॉरिडोर पर विशेष ध्यान दिया गया है, जहां निगरानी और राष्ट्रीय सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए लगभग 121 हेक्टेयर भूमि हस्तांतरित की गई है।

शाह ने दावा किया कि इस कार्रवाई से अवैध घुसपैठियों पर दबाव बनना शुरू हो गया है। रिपोर्टों से पता चलता है कि कड़ी निगरानी और प्रवर्तन के बीच कई घुसपैठिए स्वेच्छा से वापस लौट रहे हैं। गृह मंत्री ने अवैध आप्रवासन मामलों से अधिक प्रभावी ढंग से निपटने के लिए राज्य भर में स्थापित किए जा रहे निरोध केंद्रों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर लंबे समय से लंबित बाड़बंदी का काम जल्द ही फिर से शुरू होने की उम्मीद है, जिसका उद्देश्य घुसपैठ के असुरक्षित मार्गों को बंद करना है।

चंद्रयान-2 की बड़ी कामयाबी: चांद के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के निकट मिले बर्फ की मौजूदगी के नए सबूत

नई दिल्ली. भारत के चंद्रयान-2 मिशन से प्राप्त आंकड़ों का अध्ययन कर रहे वैज्ञानिकों को चंद्रमा की दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के निकट उसकी सतह के नीचे बर्फ की संभावित उपस्थिति के नए प्रमाण मिले हैं। ये निष्कर्ष अहमदाबाद स्थित भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) के शोधकर्ताओं द्वारा चंद्रयान-2 ऑर्बिटर के ड्यूल फ्रीक्वेंसी सिंथेटिक एपर्चर रडार (डीएफएसएआर) से प्राप्त प्रेक्षणों का उपयोग करके किए गए विस्तृत विश्लेषण से सामने आए हैं। यह शोध चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास स्थित स्थायी रूप से छायांकित क्षेत्रों (पीएसआर) पर केंद्रित था - ऐसे क्षेत्र जहाँ कभी सूर्य की रोशनी नहीं पहुँचती और जो सौर मंडल के सबसे ठंडे स्थानों में से हैं। आईएसआरओ द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन क्षेत्रों के भीतर वैज्ञानिकों ने उन छोटे क्रेटरों का बारीकी से अध्ययन किया जिन्हें वे "दोहरी छायांकित क्रेटरों" के रूप में वर्णित करते हैं जो बड़े स्थायी रूप से छायांकित क्रेटरों के भीतर स्थित हैं। चूंकि ये क्षेत्र लगातार सूर्य के प्रकाश और ऊष्मीय विकिरण दोनों से सुरक्षित रहते हैं, इसलिए वहां का तापमान बेहद कम, लगभग 25 केल्विन रहता है। ऐसी परिस्थितियां इन्हें बर्फीले जल को लंबे समय तक संरक्षित रखने के लिए आदर्श स्थान बनाती हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जालंधर में खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए दिया बड़ा तोहफा

संत अवतार सिंह मेमोरियल हॉकी स्टेडियम में एस्ट्रोटर्फ का किया उद्घाटन

सीएम मान और राज्यसभा सांसद सीचेवाल ने संत अवतार सिंह जी की 38वीं सालाना बरसी के मौके पर आयोजित समागम में की शिरकत

• **जालंधर ब्रीज.** सीचेवाल

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरुवार को संत बाबा अवतार सिंह जी की 38वीं सालाना बरसी संबंधी आयोजित समागम के दौरान गांव सीचेवाल में माथा टेका। इस मौके पर एक प्रगतिशील और आत्मनिर्भर पंजाब का सपना देखते हुए भगवंत सिंह मान ने राज्यसभा सदस्य संत बलवीर सिंह सीचेवाल के साथ संत अवतार सिंह मेमोरियल हॉकी स्टेडियम में एक नए एस्ट्रोटर्फ का उद्घाटन किया। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की ओर से खेल बुनियादी ढांचे, सिंचाई, भूजल रिचार्ज और लोक कल्याण संबंधी किए गए उपायों को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सरकार ने खेतों तक 21,000 क्यूसिक पानी पहुंचाया है, जो दो भाखड़ा नहरों के बराबर है। पर्यावरण अनुकूल उपायों से 21 लाख क्यूबिक मीटर पानी भूमिगत रिचार्ज करने में मदद मिली है, जिससे कई क्षेत्रों में पानी के स्तर में 2 से 4 मीटर की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाब विश्व स्तरीय सरकारी स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों और खेल सुविधाओं के माध्यम से तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि एक जीवंत "रंगला पंजाब" के रंग अब पूरे राज्य में दिखने शुरू हो गए हैं। इस मौके पर भारी भीड़ को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "पंजाब की धरती बहुत उपजाऊ है और यहां नफरत और वैर के अलावा सब कुछ उग सकता है। पंजाब महान गुरुओं, संतों और पैगंबरों की पवित्र धरती है, जिन्होंने हमें आपसी प्यार और सहिष्णुता का रास्ता दिखाया है। लोगों के बीच सामाजिक ताने-बाने पहले से ही बहुत मजबूत हैं और इसे और मजबूत करने के लिए सभी को एकजुट होना चाहिए।"

उन्होंने कहा, "यह सही समय है कि पंजाबी एकजुट होकर फूट डालने वाली ताकतों को उचित जवाब दें जो राज्य की शांति, सद्भावना और भाईचारे की साझेदारी को नुकसान पहुंचाना चाहती हैं। जो लोग भाईचारे की सद्भावना को भंग करने की कोशिश कर रहे हैं, वे पंजाब के दुश्मन हैं क्योंकि वे राज्य को फिर से अंधेरे में धकेलना चाहते हैं। ये ताकतें सांप्रदायिक झगड़ा पैदा करके सत्ता हासिल करना चाहती हैं, लेकिन उनकी संकीर्ण चालें सफल नहीं होंगी क्योंकि पंजाब के लोग हर मौके पर एकजुट रहते हैं।"

स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी मतगणना के लिए मजबूत सुरक्षा प्रबंध किए : राज्य चुनाव आयोग

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). राज्य चुनाव आयोग द्वारा 29 मई को सुबह 08:00 बजे से शुरू होने वाली मतगणना के लिए स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। प्रत्येक जिले में चुनाव पर्यवेक्षक द्वारा रैंडमाइजेशन के बाद मतगणना पर्यवेक्षक तथा मतगणना सहायक नियुक्त किए जाएंगे। प्रत्येक मतगणना केंद्र पर दो माइक्रो ऑब्जर्वर तैनात किए गए हैं, जो संबंधित जिले के जनरल ऑब्जर्वर की प्रत्यक्ष निगरानी में कार्य करेंगे तथा अपनी रिपोर्ट जनरल ऑब्जर्वर को सौंपेंगे। मतगणना हॉल में प्रवेश केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही अनुमति होगी। वार्डवार घोषित परिणाम देखने के लिए लिंक राज्य चुनाव आयोग की वेबसाइट https://sec.punjab.gov.in पर "Results of Municipal Elections 2026" टैब के अंतर्गत उपलब्ध रहेगा।

स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी मतगणना के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। प्रत्येक उम्मीदवार का एक मतगणना एजेंट प्रत्येक मतगणना टेबल पर उपस्थित रहने की अनुमति होगी। उम्मीदवार अथवा उसका चुनाव एजेंट मतगणना हॉल में प्रवेश कर सकेगा तथा रिटर्निंग अधिकारी की टेबल पर बैठ सकेगा। मतगणना केंद्रों पर मान्यता प्राप्त प्रेस की सुविधा के लिए उपयुक्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु सभी उपायुक्तों को निर्देश जारी किए गए हैं। जैसे ही वार्डों के अंतिम परिणाम घोषित होंगे, उन्हें आयोग की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा।

मानसून में ट्रेकिंग का लेना है मजा? इन ट्रेक्स को करें एक्सप्लोर

Travelling बारिश का मौसम पहाड़ों और हरियाली को और खूबसूरत बना देता है। अगर आप नेचर और एडवेंचर पसंद करते हैं, तो भारत के कुछ मॉनसून ट्रैक्स इस मौसम में शानदार अनुभव दे सकते हैं।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

बारिश का मौसम आते ही पहाड़, जंगल और घाटियां पूरी तरह हरी-भरी नजर आने लगती हैं। यही वजह है कि मानसून में ट्रेकिंग का अलग ही मजा होता है। इस मौसम में बादलों से ढके पहाड़, रास्ते में बहते झरने, ठंडी हवा और अद्भुत नजारे ट्रेकिंग अनुभव को और खास बना देते हैं। भारत में कई ऐसे ट्रेकिंग डेस्टिनेशंस हैं, जो मानसून के दौरान बेहद खूबसूरत दिखते हैं।

कुछ ट्रेक आसान हैं, जहां कोई भी जा सकता है, जबकि कुछ सिर्फ ट्रेकिंग लवर्स को ही पसंद आते हैं। हालांकि, मानसून ट्रेकिंग के दौरान ज्यादा सावधानी रखना भी जरूरी होता है क्योंकि रास्ते फिसलन भरे हो सकते हैं। सही तैयारी के साथ यह अनुभव काफी यादगार बन सकता है।

1. वैली ऑफ फ्लावर्स ट्रेक, उत्तराखंड

वैली ऑफ फ्लावर्स ट्रेक मानसून में रंग-बिरंगे फूलों और हरियाली से भर जाता है। बादलों से ढके पहाड़ और खूबसूरत घाटियां इसे नेचर लवर्स के लिए खास बनाती हैं।

2. हम्पटा पास ट्रेक, हिमाचल प्रदेश

Hampta Pass बारिश के मौसम में बेहद सुंदर दिखता है। यहां हरे पहाड़, नदियां और बर्फ से ढकी चोटियां शानदार नजारे देती हैं।

3. राजमाची ट्रेक, महाराष्ट्र

राजमाची ट्रेक मानसून में पूरी तरह हरा-भरा हो जाता है। रास्ते में छोटे वॉटरफॉल्स और धुंध ट्रेक का मजा बढ़ा देते हैं।

4. कुद्रेमुख ट्रेक, कर्नाटक

Kudremukh अपनी हरियाली और रोलिंग हिल्स के लिए मशहूर है। बारिश के दौरान यहां का नजारा बेहद खूबसूरत लगता है।

5. तर्सर मार्सर ट्रेक, कश्मीर

Tarsar Marsar ट्रेक खूबसूरत झीलें और पहाड़ों के लिए जाना जाता है। मानसून में यहां की हरियाली और भी ज्यादा आकर्षक लगती है।

6. बेदनी बुग्याल ट्रेक, उत्तराखंड

Bedni Bugyal बारिश के मौसम में हरे घास के मैदान और बादलों से ढके पहाड़ शानदार दिखते हैं। यह जगह फोटोग्राफी का शौक रखने वालों को काफी पसंद आती है।

7. देवकुंड वाटरफॉल ट्रेक, महाराष्ट्र

Devkund Waterfall मानसून में काफी पॉपुलर रहता है। यहां का साफ पानी और हरियाली ट्रेक को खास बना देते हैं।

मानसून ट्रेकिंग के दौरान किन बातों का रखें ध्यान?

सही जूते पहनें : अच्छे ग्रिप वाले ट्रेकिंग शूज पहनें। फिसलन वाले रास्तों में मदद मिल सकती है।

रेनकोट जरूर रखें : मौसम कभी भी बदल सकता है। वॉटरप्रूफ रेनकोट रखें।

हल्का सामान रखें : जरूरत का सामान ही कैरी करें। ज्यादा वजन ट्रेक मुश्किल बना सकता है।

हाइड्रेटेड रहें : बारिश में भी पानी पीना और खुद को हाइड्रेट रखना जरूरी है। एनर्जी बनाए रखने में मदद मिलती है।

मौसम की जानकारी लें : ट्रेक पर जाने से पहले मौसम की सही जानकारी जरूर रखें।

LIFESTYLE

क्या रात में होने वाली एसिडिटी आपकी नींद कर रही है खराब? ट्राई करें ये सिंपल नुस्खा

एसिड रिफ्लक्स यानी एसिडिटी एक बहुत ही आम समस्या है। यह तब होता है जब पेट का एसिड फूड पाइप में आ जाता है।अगर आपको ये समस्या रात में होती है और इसकी वजह से आपकी नींद भी खराब होती है तो यहां दिए नुस्खे को ट्राई करें।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

रात के समय खट्टी डकार आना या छाती में जलन आने की समस्या परेशान कर सकती है। ये लक्षण एसिड रिफ्लक्स यानी एसिडिटी के होते हैं। एसिडिटी की समस्या तब होती है जब पेट में भोजन को पचाने के लिए बनने वाला हाइड्रोक्लोरिक एसिड और आधा पचा हुआ खाना उल्टी दिशा में यानी ऊपर की तरफ फूड पाइप में आ जाता है। इसी प्रक्रिया को रिफ्लक्स कहते हैं। बहुत से लोगों को रात के समय ये समस्या होती है जिसकी वजह से नींद भी खराब होती है। ऐसे में एक नुस्खा आपके काम आ सकता है।

- नुस्खे से पहले जानें रिफलक्स की समस्या होने पर कैसा महसूस होता है
- गले में खट्टापन- एसिड जब आपके गले या मुंह तक पहुंच जाता है, तो मुंह का स्वाद अचानक खट्टा, कड़वा या नमकीन हो जाता है।
- भारीपन और डकारें- पेट की गैस और एसिड ऊपर आने के कारण बार-बार खट्टी डकारें आती हैं और छाती या पेट में भारीपन लगता है।
- गले में अटकाव- एसिड के कारण फूड पाइप में हल्की सूजन आ जाती है, जिससे ऐसा लगता है जैसे गले में कुछ फंसा हुआ है या निगलने में दिक्कत हो रही है।
- अचानक खांसी आना- जब एसिड की बूंदें विंड पाइप के पास पहुंचती हैं, तो शरीर फेफड़ों को बचाने के लिए अचानक सूखी खांसी हो सकती है।
- किस नुस्खे को अपनाएं
- रात को सोने से पहले आधा केला और एक चुटकी इलायची पाउडर खाएं। यह आसान उपाय आपके पेट को प्राकृतिक रूप से आराम पहुंचा सकता है। इसे लगातार 5 दिनों तक आजमाएं। रोजाना ऐसा करने से आपको फर्क महसूस होगा।
- एसिड रिफ्लक्स होने पर क्या करें और क्या न करें
- कम मात्रा में खाएं- एक बार में भरपेट खाने के बजाय छोटे-छोटे हिस्सों में खाएं।
- तुरंत न सोएं- खाना खाने के कम से कम 2 से 3 घंटे बाद तक बिस्तर पर न जाएं।
- सोते समय सिर ऊंचा रखें- बिस्तर के सिरहाने को ऊपर उठाएं।
- टाइट कपड़े न पहनें- पेट पर दबाव डालने वाले कपड़े पहनने से बचें।
- ठंडा दूध या सौंफ का पानी लें- ये दोनों चीजें पेट के एसिड को तुरंत शांत करने में मदद करता है।
- समस्या बढ़ा सकती हैं ये चीजें- कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, ज्यादा चाय-कॉफी और फास्ट फूड समस्या बढ़ा सकते हैं।

डिस्क्लेमर : यह लेख केवल सामान्य जानकारी के उद्देश्य से लिखा गया है। इसे किसी भी तरह से पेशेवर मेडिकल सलाह का विकल्प न मानें। किसी भी स्वास्थ्य समस्या या मेडिकल कंडीशन से जुड़े सवालों के लिए हमेशा अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

बेसन घोलकर 15 मिनट में बना लें वेजिटेरियन ब्रेड ऑमलेट, प्रोटीन और स्वाद से भरपूर है ये नाश्ता!

कुछ टेस्टी और हेल्दी खाना है, जो फटाफट बन जाए तो ये वेजिटेरियन ब्रेड ऑमलेट या बेसन टोस्ट आपको जरूर ट्राई करना चाहिए। ये प्रोटीन रिच नाश्ता इतना टेस्टी है कि एक बार खाने के बाद आप बार-बार ये रेसिपी ट्राई करेंगे।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

सुबह का नाश्ता हो या शाम की हल्की भूख, हम अक्सर कुछ ऐसा ढूंढते हैं जो फटाफट से बन जाए और पेट भी भर दे। ऊपर से अगर वो हेल्दी भी हो, तो फिर कहना ही क्या। आज एक ऐसी ही परफेक्ट रेसिपी हम आपके साथ शेयर कर रहे हैं। ये बनाने में सिंपल है और प्रोटीन से भरपूर है। टेस्ट ऐसा कि बच्चों से ले कर बड़ों तक को ये नाश्ता खूब पसंद आएगा।

इसे आप वेजिटेरियन ब्रेड ऑमलेट भी कह सकते हैं या फिर बेसन टोस्ट भी। इसकी एक सर्विंग में आपको 13 ग्राम के करीब प्रोटीन मिल जाता है। उन दिनों के लिए ये नाश्ता परफेक्ट है, जब आपका कुछ बनाने का मन ना करे और कुछ टेस्टी भी खाने का मन हो। इसके लिए आपको कोई फिलिंग वगैरह तैयार नहीं है, सिंपल ब्रेड की स्लाइसेज और कुछ मसालों से आप इसे बना सकते हैं। आइए रेसिपी जान लेते हैं।

वेजिटेरियन वेज ऑमलेट बनाने के लिए सामग्री : ये प्रोटीन रिच वेजिटेरियन वेज ऑमलेट बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं- ब्राउन ब्रेड (6 स्लाइसेज), बेसन (1 कप), अलसी के बीजों का पाउडर (2 चम्मच), नमक (स्वादानुसार), काली मिर्च का पाउडर (1 चम्मच), लाल मिर्च पाउडर (1 चम्मच), धनिया पाउडर (1 चम्मच), हल्दी पाउडर (आधा चम्मच), बारीक कटी हुई प्याज

(1), बारीक कटा हुआ टमाटर (1), कटी हुई हरी मिर्च (1-2), ताजा धनिया पत्ता (2 चम्मच), कटा हुआ पालक (आधा कप), पानी और तेल जरूरत अनुसार।

फटाफट बन जाएगा प्रोटीन से भरपूर ये नाश्ता : प्रोटीन रिच बेसन टोस्ट या वेजिटेरियन ब्रेड ऑमलेट सुबह के नाश्ते या शाम की छोटी भूख के लिए एक परफेक्ट रेसिपी है। जब भी कुछ हेल्दी और टेस्टी खाने का मन हो, लेकिन रसोई में ज्यादा टाइम नहीं बिताना हो तो ये नाश्ता आपको जरूर ट्राई करना चाहिए। इसके लिए सबसे पहले बेसिक तैयारियां कर के रख लें, जैसे टमाटर, प्याज, हरी मिर्च और हरा धनिया को बारीक काटना। अगर पालक ले रहे हैं तो उसे भी बारीक चॉप कर लें। इसके बाद सारा काम फटाफट हो जाएगा।

अब एक बाउल में बेसन लें। उसमें अलसी के बीजों का पाउडर, स्वादानुसार नमक, काली मिर्च का पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और हल्दी पाउडर डालकर मिक्स करें। साथ में बारीक कटी हुई प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, हरा धनिया और पालक एड करें। इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर एक गाढ़ा स्मूद बैटर तैयार करें। इस बैटर को लगभग 10 मिनट के ऐसे ही छोड़ दें।

इसके बाद ब्राउन ब्रेड की स्लाइसेज को ट्राएंगल शेप में काट लें। इन्हें बेसन वाले बैटर में डिप करें और अच्छी तरह कोट कर लें। एक पैन में थोड़ा सा तेल गर्म करें और ब्रेड को दोनों साइड से गोल्डन ब्राउन और क्रिस्पी होने तक सेंक लें। इनके किनारों पर थोड़ा सा तेल लगाकर सेंक लें। बेसन टोस्ट बनकर तैयार हैं, इन्हें गरमा-गरम केचअप या चटनी के साथ सर्व करें।

आपका बच्चा भी बन सकता है टॉपर! उसे पढ़ाई से प्यार करा देंगे ये तरीके

जालंधर ब्रीज (फीचर) . हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा मन लगाकर पढ़ाई करे, लेकिन आज के समय में बच्चों का ध्यान जल्दी भटक जाता है। कभी मोबाइल, कभी टीवी तो कभी खेलने का मन पढ़ाई से ज्यादा उन्हें अट्रैक्ट करता है। ऐसे में कई पेरेंट्स गुस्सा करने लगते हैं या बार-बार डांटकर बच्चे को पढ़ाने की कोशिश करते हैं। लेकिन सच यह है कि पढ़ाई की आदत किसी भी प्रेशर से नहीं बनती, बल्कि सही माहौल और सही तरीके से बनती है। अगर आप बच्चे को धीरे-धीरे, बिना डर और बिना ज्यादा प्रेशर के पढ़ाई की तरफ लेकर जाएंगे, तो उसका मन खुद पढ़ने में लगने लगेगा। चलिए जानते हैं सरल तरीके जिनकी मदद से आप अपने बच्चे का मन पढ़ाई में लगा सकते हैं। अक्सर पेरेंट्स सीधे बच्चे को बोल देते हैं कि एक घंटा बैठकर पढ़ाई करो। बच्चे को सिर्फ 10 मिनट पढ़ने के लिए बैठाइए। जब उसे लगेगा कि बस थोड़ी देर पढ़ना है, तो वह आसानी से बैठ जाएगा। फिर बीच में छोटा ब्रेक दें और दोबारा 10 मिनट पढ़ने के लिए कहें।

हर बच्चा एक जैसा नहीं होता। कुछ बच्चे पढ़कर जल्दी समझते हैं, तो कुछ देखकर या बोलकर सीखते हैं। इसलिए बच्चे को सिर्फ किताब खोलकर बैठने के लिए मत कहिए। पढ़ाई को थोड़ा मजेदार बनाइए। आप बच्चे से बोल सकते हैं कि वह जोर-जोर से पढ़े, डायग्राम बनाकर समझे या फिर टीचर बनकर आपको पढ़ाए। इससे पढ़ाई उसे बोरिंग नहीं लगती और वह खुद इंटरेस्ट लेने लगता है।

जब बच्चे को हर समय ऑर्डर दिए जाते हैं कि अभी बैठो, यही सब्जेक्ट पढ़ो या इतना पढ़ो, तो उसका मन पढ़ाई से दूर होने लगता है। बच्चे को ऐसा महसूस होना चाहिए कि उसके पास भी फैसला लेने का अधिकार है। इसलिए उसे छोटी-छोटी चॉइस दीजिए। जैसे पूछिए कि पहले मैथ पढ़ोगे या साइंस तो वह ज्यादा आसानी से पढ़ने के लिए तैयार हो जाता है।

बहुत से पेरेंट्स सिर्फ रिजल्ट और मार्क्स पर ध्यान देते हैं। अगर नंबर अच्छे आए तो तारीफ, और कम आए तो डांट। लेकिन इससे बच्चा पढ़ाई को डर की तरह देखने लगता है। इसलिए जरूरी यह है कि आप बच्चे की मेहनत को नोटिस करें। अगर वह आधा घंटा मन लगाकर पढ़ रहा है, तो उसकी तारीफ करें। उसे महसूस कराइए कि उसकी कोशिश आपके लिए मायने रखती है।

सीने का दर्द घबराहट है या हार्ट अटैक का संकेत? 2 मिनट में सीखें फर्क, इमरजेंसी में काम आएगा!

Health सीने में दर्द होते ही ज्यादातर लोगों को हार्ट अटैक का डर सताने लगता है, लेकिन हर बार इसकी वजह दिल की बीमारी ही नहीं होती। कई बार एंग्जायटी के कारण भी सीने में ऐसा दर्द महसूस हो सकता है। आइए इन दोनों के बीच का फर्क समझते हैं।

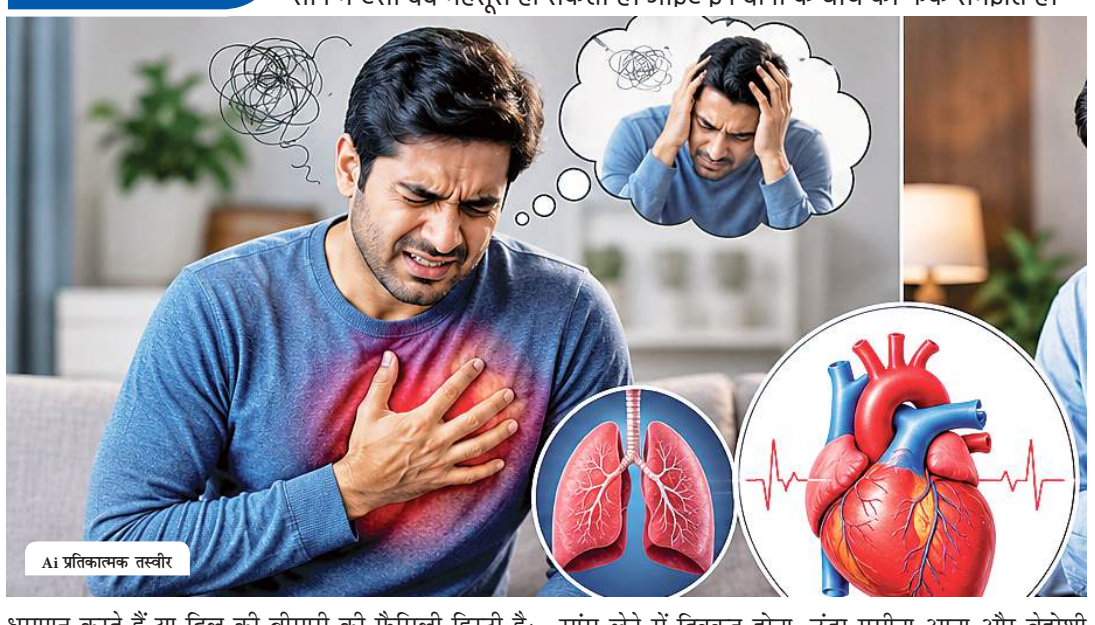

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

सीने में दर्द होते ही ज्यादातर लोगों के मन में सबसे पहला डर हार्ट अटैक का ही आता है। लेकिन सीने का दर्द होने के पीछे कई और वजह भी हो सकती हैं, इनमें सबसे मुख्य है एंग्जाइटी यानी घबराहट होना। कई बार जब आप ज्यादा सोचने लगते हैं या घबराहट के कारण घुटन और बेचैनी महसूस करते हैं; तो भी सीने में तेज दर्द उठना सामान्य है। कई लोग इसी के चलते कन्फ्यूज हो जाते हैं कि उनके सीने में उठने वाला दर्द ज्यादा घबराहट की वजह से हो रहा है, या फिर ये हार्ट अटैक का संकेत है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो कुछ ऐसे संकेत होते हैं, जिनसे दोनों के बीच का फर्क आप आराम से समझ सकते हैं। आइए विस्तार से इनके बारे में जानते हैं।

एंग्जाइटी में कैसा होता है सीने का दर्द?

एंग्जाइटी यानी घबराहट के दौरान भी सीने में तेज दर्द उठता है। ये दर्द काफी तेज होता है और बिल्कुल सीने में चुभन जैसा महसूस होता है। इसके साथ कभी-कभार तेज साँस चलना और पसीना आना जैसे लक्षण भी दिख सकते हैं। ये दर्द आमतौर पर सीने के किसी एक हिस्से में ज्यादा महसूस होता है और बाकी जगहों पर नहीं फैलता। ऐसे समय पर अगर लंबी सांस ली जाए या थोड़ी देर शांत हो कर बैठा जाए तो दर्द और बेचैनी से राहत महसूस हो सकती है।

हार्ट अटैक में सीने का दर्द कैसे अलग होता है?

हार्ट अटैक की शुरुआत भी सीने में तेज दर्द के साथ ही होती है। इस दर्द में आमतौर पर सीने में भारीपन, जकड़न और दबाव जैसा महसूस होता है। ये एंग्जाइटी की तरह सीने के एक हिस्से तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कंधे, जबड़े, हाथ और पीठ तक भी फैलने लगता है। इसके साथ सांस फूलना, उल्टी-चक्कर आना, ठंडा पसीना और कमजोरी महसूस होना भी कुछ आम लक्षण हैं। एक चीज और ध्यान रखें कि हार्ट अटैक के दौरान सीने में दर्द बढ़ता ही रहता है। ये गहरी सांस लेने या आराम करने से कम नहीं होता।

किन लोगों को ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत है?

जिन लोगों को लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियां जैसे हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, मोटापा या कोई भी दिल की बीमारी है; उन्हें तो सीने का दर्द बिल्कुल भी नजअंदाज नहीं करना चाहिए। इसके अलावा अगर आप धूम्रपान करते हैं या दिल की बीमारी की फैमिली हिस्ट्री है; तब भी आपको सावधान रहने की जरूरत है। ऐसे लोगों में हार्ट अटैक का रिस्क बाकी लोगों से ज्यादा होता है। वहीं अगर आपको ज्यादा एंग्जाइटी या स्ट्रेस रहता है, तो एक बार स्पेशलिस्ट को दिखाना एक अच्छा ऑप्शन है।

डॉक्टर के पास कब जाना चाहिए

सीने का दर्द अगर लगातार बढ़ रहा है और बॉडी के बाकी हिस्सों में भी फैल रहा है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। इसके अलावा अगर आपको उल्टी-चक्कर आना, सांस लेने में दिक्कत होना, ठंडा पसीना आना और बेहोशी जैसी लक्षण महसूस हो रहे हैं तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। सीने के दर्द को एंग्जाइटी समझकर नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है, इसलिए थोड़ा सा भी डाउट हो तो डॉक्टर से सुझाव लेने में भी फायदा है।

डिस्क्लेमर : इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें।

एआई का जनजातीय भाषाओं में संवाद : जनजातीय गरिमा को प्रौद्योगिकी का समर्थन

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

हमारे देश भर में फैले जंगलों, पहाड़ियों और दूरदराज की बस्तियों में, एक शांत लेकिन सफल परिवर्तन चल रहा है। जनजातीय समुदाय लंबे समय से भारत की विकास गाथा के केंद्र में अपने उचित स्थान का इंतजार कर रहे थे। आज वे राष्ट्र की प्रगति के सक्रिय वास्तुकार के रूप में उभर रहे हैं। जनजातीय गरिमा उत्सव की यही भावना है: विकसित भारत की यात्रा का एक राष्ट्रीय उत्सव, जहां प्रगति भूगोल या परिस्थिति का विशेषाधिकार नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का समान रूप से अधिकार है।

महत्वाकांक्षा का पैमाना : यह समझने के लिए कि प्रौद्योगिकी जनजातीय विकास के लिए अपरिहार्य क्यों हो गई है, किसी को पहले चुनौती की व्यापकता को समझना चाहिए। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन), धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए), राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन और संबंधित पहलों में 549 जिलों और 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 2,911 ब्लॉकों के 63,000 से अधिक गांवों को शामिल किया गया है, जिससे 5.5 करोड़ से अधिक आदिवासी नागरिक लाभान्वित हुए हैं। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) पर विशेष ध्यान देने के साथ, इन प्रयासों का उद्देश्य आवास, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कनेक्टिविटी और आजीविका जैसी आवश्यक सेवाओं का सम्पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करना है। इस तरह के विविध और विस्तृत इलाके में हर परिवार तक पहुंचने के लिए ऐसी प्रणाली की आवश्यकता होती है जो डेटा-संचालित, कनेक्टेड और उत्तरदायी होती है और यही हम तैयार कर रहे हैं।

इस वर्ष जनजातीय गरिमा उत्सव का आयोजन लगभग चार विषयगत सप्ताह के आसपास किया जा रहा है, जो एक साथ जनजातीय विकास के पूर्ण आयाम को दर्शाते हैं। उद्घाटन का विषय, "विकास के एक वाहक के रूप में प्रौद्योगिकी", इस बात को दर्शाता है कि कैसे डिजिटल सिस्टम, विज्ञान और नवाचार भारत के कुछ दूरस्थ समुदायों तक शासन और अवसर का विस्तार करने में मदद कर रहे हैं। इस दृष्टिकोण के केंद्र में एक सरल सिद्धांत निहित है: जनजातीय भाषाओं, संस्कृतियों, विरासत और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों का पर्याप्त सम्मान करते हुए विकास को अंतिम दूरी तक पहुंचना चाहिए।

प्रौद्योगिकी द्वारा जनजातीय गरिमा को बढ़ावा : उद्देश्य के साथ निर्देशित होने पर प्रौद्योगिकी क्या हासिल कर सकती है, इसका सबसे ज्वलंत उदाहरण बिरसा 101 यानी सिकल सेल रोग के लिए भारत की पहली स्वदेशी सीआरआईएसपीआर-आधारित जीन थेरेपी है। सिकल सेल रोग लंबे समय से जनजातीय आबादी के लिए स्वास्थ्य की एक बड़ी चुनौती पेश कर रहा है और भारत अब समानता और पहुंच में निहित उन्नत विज्ञान के साथ उस चुनौती का जवाब दे रहा है। जनजातीय कार्य मंत्रालय ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी) और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से अनुसंधान, नैदानिक परीक्षण इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का समर्थन करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। सीएसआईआर-आईजीआईबी में हाल ही में एक संगोष्ठी में वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और सिकल सेल योद्धाओं को एक साथ लाया गया, जो वैज्ञानिक प्रगति और प्रयासों के पीछे की मानवीय तात्कालिकता दोनों को दर्शाता है।

साझा लक्ष्य स्पष्ट है: एक किफायती, एकमुश्त उपचारात्मक उपचार विकसित करना जो जरूरतमंद हर आदिवासी परिवार तक पहुंच सके। बीआईआरएसए 101 केवल चिकित्सा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि से भी बढ़कर है। यह एक घोषणा है कि भारत का सबसे उन्नत विज्ञान अपने सबसे पात्र समुदायों की सेवा करेगा।

यह दृढ़ विश्वास एक पहल से कहीं अधिक गहरा है। ट्रेडिशनल नॉलेज डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) और आयुर्जेनोमिक्स जैसे प्रयास दर्शाते हैं कि कैसे आधुनिक तकनीक आदिवासी समुदायों द्वारा लंबे समय से संरक्षित समृद्ध औषधीय और पारिस्थितिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण, मान्यीकरण और संरक्षण में मदद कर सकती है।

रंजना चोपड़ा
(लेखिका भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय की सचिव हैं)

समावेशन की यही भावना इस बात को आकार दे रही है कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जनजातीय विकास के साथ जोड़ा जा रहा है। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में, मंत्रालय ने एक सरल लेकिन दृढ विश्वास पर आधारित एआई-सक्षम प्लेटफार्मों की श्रृंखला प्रस्तुत की, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि भाषा एक बाधा नहीं है जिसे दूर किया जाना है, बल्कि एक पहचान है जिसका उत्सव मनाया जाना चाहिए। आदि वाणी, जनजातीय भाषाओं के लिए एआई-संचालित अनुवादक, टेक्स्ट-टू-टेक्स्ट और टेक्स्ट-टू-स्पीच अनुवाद, ओसीआर और आदिवासी भाषाओं में सरकारी योजना की जानकारी के वितरण का समर्थन करता है, जिससे नागरिकों को घर पर बोलने वाली भाषा में सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ने में सक्षम बनाया जाता है। ट्राइबॉट एक बहुभाषी संवादी एआई सहायक है, जो दूरदराज के क्षेत्रों में नागरिकों को तत्क्षण मार्गदर्शन और शिकायत निपटारे में सहायता प्रदान करके इस प्रयास को और मजबूत करता है। भगवान बिरसा मुंडा सेल और आईआईटी दिल्ली के साथ आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान भी इन प्रयासों पर चर्चा की गई, जो जनजातीय भाषाओं के दीर्घकालिक संरक्षण और सुदृढ़ीकरण सहित एआई के सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और समुदाय-केंद्रित इस्तेमाल पर केंद्रित थी।

प्रौद्योगिकी सांस्कृतिक अभिकथन और आर्थिक सशक्तिकरण का एक शक्तिशाली माध्यम भी बन रही है। आगामी ट्राइबएक्स प्लेटफॉर्म का उद्देश्य जनजातीय कलाओं, भाषाओं, पारंपरिक ज्ञान, संगीत, शिल्प और सांस्कृतिक अनुभवों को बढ़ावा देने के लिए एक डिजिटल इकोसिस्टम बनाना है। इस प्रयास को पूरा करते हुए, जनजातीय भारत का प्रस्तावित जीआई संभावित कला और शिल्प एटलस भौगोलिक संकेत क्षमता के साथ जनजातीय हस्तशिल्प, वन उत्पादों और पारंपरिक कला रूपों का डिजिटल रूप से मानचित्रण करेगा, जिससे ब्रांडिंग, बाजार पहुंच और जनजातीय बौद्धिक विरासत की पहचान को मजबूत करने में मदद मिलेगी। पायलट आधार पर पांच राज्यों के जनजातीय अनुसंधान संस्थानों में इनोवेशन हब की योजना बनाई गई है, जो नवाचार के नेतृत्व वाले आदिवासी उद्यमियों और स्टार्टअप के लिए डिजाइन और उत्पाद विकास सहायता, जीआईएस-आधारित योजना डैशबोर्ड और इनक्यूबेशन इंफ्रास्ट्रक्चर को जोड़कर और आगे बढ़ेंगे।

प्रौद्योगिकी जनजातीय समुदायों तक शासन के तरीके को समान रूप से बदल रही है। पीवीटीजी घरेलू सर्वेक्षणों के लिए पीएम-जनमन के तहत सर्वेक्षण सेतु दूरदराज के क्षेत्रों में कल्याण वितरण की तत्क्षण, जियो-टैग निगरानी को सक्षम बनाता है। 18 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश में संचालित, इस प्लेटफॉर्म ने 8,552 सर्वेक्षणकर्ताओं के समर्थन के साथ पहले ही 3.43 लाख घरेलू प्रस्तुतियां दर्ज की हैं। इस तरह की डेटा-संचालित प्रणालियां यह सुनिश्चित करने में मदद करती हैं कि प्रत्येक पात्र परिवार की पहचान की जाए और उसे आवश्यक सेवाओं से जोड़ा जाए। इसके साथ ही मंत्रालय दावा प्रस्तुतीकरण, जीआईएस-आधारित मानचित्रण, वर्कफ्लो की निगरानी और शिकायत निवारण को सुव्यवस्थित करने के लिए एक एआई-सक्षम वन अधिकार अधिनियम शासन मंच विकसित कर रहा है।

लेफ्टिनेंट जनरल हरजीत सिंह साही ने संभाला पश्चिमी कमान का कार्यभार

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

लेफ्टिनेंट जनरल हरजीत सिंह साही, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम ने 26 मई 2026 को चंडीमंदिर सैन्य स्टेशन में मुख्यालय पश्चिमी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल पुनीत आहूजा, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम का स्थान लिया है, जिन्होंने सेना मुख्यालय में महानिदेशक रणनीतिक योजना (डायरेक्टर जनरल स्ट्रैटेजिक प्लानिंग) का पदभार संभालने हेतु कार्यभार ग्रहण किया है। पंजाब पब्लिक स्कूल, नाभा और भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून के पूर्व छात्र लेफ्टिनेंट जनरल साही को दिसंबर 1988 में राजपूत रेजिमेंट की 23वीं बटालियन में कमीशन प्राप्त हुआ था और वर्तमान में वे राजपूत रेजिमेंट के कर्नल के प्रतिष्ठित पद पर आसीन हैं।

जनरल अधिकारी को उत्तरी, पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्रों सहित सियाचिन ग्लेशियर में व्यापक परिचालन अनुभव प्राप्त है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) तथा काउंटर इंसर्जेंसी फोर्स (किलो) में अपनी बटालियन

और एक इन्फैंट्री ब्रिगेड की कमान संभाली। उन्हें भारतीय सेना की सबसे बड़ी कोर, 3 कोर, की कमान संभालने का विशिष्ट गौरव प्राप्त है, जिसकी जिम्मेदारी पूर्वी सीमाओं, भारत-म्यांमार सीमा तथा उत्तर-पूर्व के छह राज्यों के आंतरिक क्षेत्रों तक फैली हुई है। मई 2023 में मणिपुर में हुए जातीय संघर्ष के दौरान उन्होंने अपने जिम्मेदारी वाले क्षेत्र में आधारभूत संरचना के उन्नयन और स्थिरता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस नियुक्ति से पूर्व वे आर्मी वॉर कॉलेज, महू के कमांडेंट के रूप में कार्यरत थे, जहाँ उन्होंने पेशेवर सैन्य शिक्षा को उभरती परिचालन आवश्यकताओं और तकनीकी प्रगति के अनुरूप बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल कीं। उनके नेतृत्व में संस्थान को 15 जनवरी 2026 को प्रतिष्ठित "चीफ ऑफ द आर्मी स्टाफ यूनिट अप्रिसिएशन" से सम्मानित किया गया। जनरल अधिकारी ने कई महत्वपूर्ण स्टाफ नियुक्तियों पर भी कार्य किया है, जिनमें एक ऑपरेशनल कोर के ब्रिगेडियर जनरल स्टाफ, अतिरिक्त महानिदेशक सैन्य संचालन तथा सेना मुख्यालय में महानिदेशक सूचना युद्ध (इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर) शामिल हैं। उन्होंने सभी महत्वपूर्ण पेशेवर पाठ्यक्रम पूरे किए हैं, जिनमें डीएसएससी वेलिंगटन का स्टाफ कोर्स, आर्मी वॉर कॉलेज महू का हायर कमांड कोर्स तथा राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, नई दिल्ली का एनडीसी कोर्स शामिल है। पदभार ग्रहण करने के उपरांत लेफ्टिनेंट जनरल साही ने वीर स्मृति युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर राष्ट्र सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने परिचालन तत्परता, क्षमता विकास तथा सभी रैंकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में गूंजी खेल भावना; छात्र, संकाय और स्टाफ सदस्य हुए सम्मानित

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), चंडीगढ़ में डीन स्टूडेंट अफेयर्स कार्यालय द्वारा छात्र, संकाय एवं स्टाफ खेल प्रतियोगिता तथा छात्रों की अंतर-विभागीय खेल प्रतियोगिता के लिए पदक एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में डीन स्टूडेंट अफेयर्स डॉ. डी.आर. प्रजापति, एसोसिएट डीन स्टूडेंट अफेयर्स डॉ. संदीप हरित, एसोसिएट डीन स्टूडेंट अफेयर्स डॉ. मोहित त्यागी, रजिस्ट्रार प्रो. शोभना धीमान तथा स्पोर्ट्स इंचार्ज रविंदर सिंह उपस्थित रहे। गणमान्य अतिथियों ने विजेताओं एवं प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

छात्रों को फुटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस,

लॉन टेनिस, रस्साकशी, शॉट पुट, हैमर थ्रो एवं डिस्कस थ्रो सहित विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। वहीं संकाय एवं स्टाफ सदस्यों को क्रिकेट और बैडमिंटन प्रतियोगिताओं में उनके प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

विजेताओं एवं प्रतिभागियों को उनके समर्पण, खेल भावना एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। यह समारोह खेलों को बढ़ावा देने, शारीरिक फिटनेस को प्रोत्साहित करने तथा छात्रों, संकाय और स्टाफ के समग्र विकास के प्रति पीईसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आईसर और सेमी-कंडक्टर लेबोरेटरी के बीच हुआ समझौता ज्ञापन

• **जालंधर ब्रीज** . मोहाली

सेमीकंडक्टर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान तथा तकनीकी सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईसर) मोहाली ने आज सेमी-कंडक्टर लेबोरेटरी (एससीएल), मोहाली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

आईसर मोहाली में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में इस समझौता ज्ञापन का कार्यक्रम भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeiTY) के सचिव एस. कृष्णन, आईएएस, की गरिमामयी में संपन्न हुआ।

इस समारोह में दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं ने भाग लिया। एससीएल मोहाली के महानिदेशक डॉ. कमलजीत

सिंह तथा आईसर मोहाली के कार्यवाहक निदेशक प्रो. पूर्णानंद गुप्ताशर्मा ने उद्घाटन वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान के महत्व पर बल दिया।

समझौता ज्ञापन के महत्व पर आईआईएसईआर मोहाली के प्रो. अभिषेक चौधरी तथा एससीएल मोहाली के एम. एम. ज़फर द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस सहयोग से संयुक्त अनुसंधान पहलों, छात्र सहभागिता, ज्ञान-विनिमय तथा सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी एवं उभरते वैज्ञानिक क्षेत्रों से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की अपेक्षा है। उपस्थित वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए MeiTY के सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि ऐसे सहयोगों की शुरुआत पारस्परिक कार्यशालाओं तथा संस्थानों के बीच वैज्ञानिक संवाद बढ़ाने से होनी चाहिए। उन्होंने संस्थानों के बीच नियमित वैज्ञानिक व्याख्यानों एवं अकादमिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे एक सशक्त सहयोगात्मक वातावरण विकसित हो सके। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि इस क्षेत्र की दो उत्कृष्ट संस्थाएँ इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मिशन के सहयोग कर रही हैं।

नए आयकर अधिनियम और नियमों पर मंथन : चंडीगढ़ एवं फरीदाबाद में ICAI के सहयोग से विशेष संगोष्ठी

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

आयकर विभाग (इंटेलिजेंस एवं क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन) निदेशालय, चंडीगढ़ द्वारा PRARAMBH, 2026 के राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत दिनांक 25.05.2026 को चंडीगढ़ एवं फरीदाबाद में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम रोहित शर्मा, IRS, निदेशक आयकर (I&CI), चंडीगढ़ तथा गगन कुंद्रा, IRS, अतिरिक्त निदेशक आयकर (I&CI), चंडीगढ़ के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान (ICAI) की NIRC चंडीगढ़ शाखा एवं फरीदाबाद शाखा के सहयोग से किया गया।

इस संगोष्ठी में ICAI के सदस्यों, बार एसोसिएशन के सदस्यों, बैंकरों एवं तहसीलदारों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम का उद्देश्य नए आयकर अधिनियम, 2025 एवं नए आयकर नियम, 2026 तथा I&CI निदेशालय से संबंधित SFT एवं SRA की फाइलिंग हेतु

नए प्रपत्र 97, 98, 165, 166 एवं 167 के प्रावधानों के संबंध में स्पष्टता प्रदान करना था।

इस जागरूकता कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण भाग AI-सक्षम "कर साथी" चैटबॉट का प्रदर्शन था। उपस्थित प्रतिभागियों को चैटबॉट की कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गई तथा बताया गया कि AI-सक्षम चैटबॉट "कर साथी" विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.incometaxindia.gov.in पर उपलब्ध है। इसी उद्देश्य से "कर साथी" पर एक विशेष डेस्क भी स्थापित की गई, ताकि प्रतिभागियों को आयकर वेबसाइट पर उपलब्ध नए AI टूल्स का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो सके।

प्रतिभागियों को आयकर अधिनियम, 1961 के नियम 114E के अंतर्गत Statement of Financial Transactions (SFT) दाखिल करने की समय-सीमा एवं प्रक्रिया के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें वित्त वर्ष 2025-26 हेतु SFT को 31 मई 2026 तक समयबद्ध एवं सही तरीके से दाखिल करने के लिए प्रेरित किया गया।

संगोष्ठी के दौरान सरिता अग्रवाल, IRS, सहायक निदेशक आयकर (I&CI), चंडीगढ़ ने नए आयकर अधिनियम, 2025 की प्रमुख विशेषताओं, I&CI निदेशालय की भूमिका तथा SFT फाइलिंग से संबंधित अनुपालन आवश्यकताओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। वहीं फरीदाबाद में विकास परिहार, आयकर अधिकारी (I&CI), फरीदाबाद ने सत्र को संबोधित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत एक संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें सरिता अग्रवाल, IRS ने प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर एवं स्पष्टीकरण प्रदान किए। कार्यक्रम का समापन हितधारकों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर आयकर अधिनियम के प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं बेहतर अनुपालन सुनिश्चित करने पर बल देते हुए किया गया।

भारतीय हॉकी को तराशने वाले चार दशकों के महानायक

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

बलदेव सिंह एक अनुभवी हॉकी कोच हैं जिन्होंने चार दशक से अधिक समय तक भारतीय हॉकी को विशिष्ट सेवा प्रदान की है। वह अपनी तकनीकी क्षमता, अनुशासित कोचिंग पद्धति और जमीनी स्तर के विकास के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने भारत में विशेषरूप से शाहबाद मारकंडा, हरियाणा के साथ अपने लंबे जुड़ाव के माध्यम से हॉकी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जो उनके मार्गदर्शन में हॉकी प्रशिक्षण के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा।

15 नवंबर, 1950 को जन्मे बलदेव सिंह ने 1977 में पंजाबी विश्वविद्यालय से इतिहास में मास्टर ऑफ आर्ट्स की पढ़ाई पूरी की और 1979-80 के दौरान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (एनआईएस), बेंगलुरु से हॉकी कोचिंग में डिप्लोमा प्राप्त किया। उन्होंने हॉकी में अपने पेशेवर करियर की शुरुआत नामधारी हॉकी टीम, भैनी साहिब के साथ की। जुलाई 1981 में, वह हरियाणा खेल विभाग में शामिल हो गए और 1 जनवरी 1982 को

द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता

बलदेव सिंह
(हॉकी कोच)

शाहबाद मारकंडा में कोच नियुक्त किए गए। उन्होंने 1986 तक वहां सेवा की, इस अवधि के दौरान उन्होंने एक संरचित कोचिंग प्रणाली की स्थापना की, जिसने एक मान्यता प्राप्त हॉकी नर्सरी के रूप में शाहबाद के विकास की नींव रखी।

वर्ष 1986 में, बलदेव सिंह ने जीवन नगर, सिरसा में नामधारी हॉकी टीम के कोच के रूप में कार्य किया। वह 1993 में शाहबाद मारकंडा लौट आए, जो उत्कृष्टता के एक निरंतर चरण की शुरुआत का प्रतीक था। राष्ट्रीय स्तर पर, उन्होंने 1993 में भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच और चयनकर्ता के रूप में और 1996 में मद्रास में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम के सहायक कोच के रूप में कार्य किया। वर्ष 2000 में, उन्हें सुल्तान अजलान शाह कप, मलेशिया के लिए सीनियर भारतीय पुरुष हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। वर्ष 2001 से 2004 तक, उन्होंने भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच के रूप में कार्य किया, जिसमें नीदरलैंड के एम्सटेलवीन में आयोजित चैंपियंस ट्रॉफी भी शामिल थी, और 2004 में एशिया कप में टीम को स्वर्ण पदक दिलाया। बलदेव सिंह को शाहबाद मारकंडा हॉकी नर्सरी को हॉकी प्रतिभाओं के लिए भारत के सबसे अधिक उत्पादक केंद्रों में से एक के रूप में विकसित करने के लिए व्यापक रूप से जाना जाता है। उनके मार्गदर्शन में, अकादमी ने लगातार राष्ट्रीय टीमों को खिलाड़ियों की आपूर्ति की। अपने करियर के दौरान उन्होंने 80 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और 8 भारतीय टीम के कप्तानों का मार्गदर्शन किया। हरियाणा सरकार के साथ अपनी सेवा के दौरान, वह सक्रिय कोचिंग जारी रखते हुए उप निदेशक के पद तक पहुंचे। हालाँकि वह औपचारिक रूप से वर्ष 2008 में सेवानिवृत्त हो गए थे, लेकिन उनकी सेवाओं को कई बार बढ़ाया गया और उन्होंने 2015 तक हरियाणा खेल विभाग के साथ अपना काम जारी रखा।

पंजाब लौटने के बाद, बलदेव सिंह ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब विश्व विश्वविद्यालय, फतेहगढ़ साहिब (सरहिंद) में हॉकी कोचिंग में योगदान देना जारी रखा, और बाद में वर्ष 2019 से 2023 तक खालसा कॉलेज, अमृतसर में कोच के रूप में कार्य किया। वर्ष 2017 में, उन्हें भारत सरकार द्वारा गठित ओलंपिक टास्क फोर्स के मुख्य सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था, जो 2020 (टोक्यो), 2024 (पेरिस), और 2028 (लॉस एंजिल्स) ओलंपिक खेलों के लिए एक रोडमैप तैयार करेगा। प्रतिष्ठित खिलाड़ियों के साथ आठ मुख्य सदस्यों में से एक के रूप में, उन्होंने एथलीट-केंद्रित, कोच-नेतृत्व वाले और प्रणाली-संचालित दृष्टिकोण के माध्यम से भारत के खेल प्रदर्शन ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से सिफारिशें तैयार करने में योगदान दिया। खेल प्रशिक्षण में उनके उत्कृष्ट योगदान के सम्मान स्वरूप में उन्हें वर्ष 2009 में द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किया गया था।

पंजाब की गलियों से विश्व कप तक : महिला सशक्तिकरण का रोल मॉडल बनीं हरमनप्रीत कौर

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

हरमनप्रीत कौर भुल्लर भारतीय महिला क्रिकेट में एक प्रतिष्ठित खिलाड़ी और एक प्रेरणादायक शख्सियत हैं। 8 मार्च 1989 को पंजाब में जन्मीं, भुल्लर अपनी पीढ़ी की सबसे ऊर्जावान और प्रभावशाली क्रिकेटरों में से एक हैं। अपने असाधारण नेतृत्व, लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन और निडर बल्लेबाजी शैली के माध्यम से, उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तर पर महिला क्रिकेट की प्रतिष्ठा बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

अपने आक्रामक स्ट्रोक प्ले और मैच जीतने की क्षमताओं के लिए प्रसिद्ध, सुश्री भुल्लर ने विभिन्न फॉर्मेट में कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। कई वैश्विक मंचों पर उनकी

हरमनप्रीत कौर भुल्लर
(भारतीय महिला क्रिकेटर)

उल्लेखनीय पारियों ने देश को गौरवान्वित किया है और अनगिनत युवा लड़कियों को क्रिकेट में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया है। कप्तान के रूप में, उन्होंने अनुकरणीय खेल भावना, प्रतिरोधी क्षमता और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन कर, महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों और टूर्नामेंटों के माध्यम से अपनी टीम का मार्गदर्शन किया है।

खेल के मैदान पर प्राप्त उपलब्धियों के अतिरिक्त, भुल्लर खेलों में महिला सशक्तिकरण की एक प्रबल समर्थक रही हैं। पंजाब में स्थानीय क्रिकेट से लेकर राष्ट्रीय टीम की कप्तानी तक की उनकी यात्रा समर्पण, दृढ़ता और उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वह देश भर के आकांक्षी खिलाड़ियों के लिए एक रोल मॉडल हैं।

भारतीय क्रिकेट में अपने उत्कृष्ट योगदान और खेलों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका के माध्यम से, भुल्लर ने अत्यधिक सम्मान और प्रशंसा अर्जित की है। उनकी उपलब्धियों ने न केवल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत की उपस्थिति को सुदृढ़ किया है, बल्कि देश में महिला खेलों के विकास और दृश्यता में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

नगर कौंसिल व नगर पंचायत चुनाव का नतीजा आज

पारदर्शी ढंग से पूरी की जाएगी गिनती प्रक्रिया : जिला चुनाव अधिकारी, जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध पूरे, वोटों की गिनती के लिए 7 गिनती केंद्र स्थापित

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

जिले में नगर कौंसिल और नगर पंचायत चुनावों के लिए मंगलवार को पड़े वोटों की गिनती 29 मई को होगी। जिला प्रशासन ने इसे उचित एवं पारदर्शी ढंग से करवाने के लिए सभी प्रबंध पूरे कर लिए है।

डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला चुनाव अधिकारी वरजीत वालिया ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि वोटों की गिनती के लिए 7 गिनती केंद्र स्थापित किए गए है। उन्होंने बताया कि नगर कौंसिल आदमपुर के 13 वार्डों के लिए गिनती स्कूल ऑफ एमिनेंस आदमपुर में नगर कौंसिल करतारपुर के 15 वार्डों के लिए जूडो हॉल, स्कूल ऑफ एमिनेंस लाडोवाली रोड, जालंधर में नगर कौंसिल नकोदर के 17 वार्डों के लिए गुरु नानक नेशनल कॉलेज (लड़के), नकोदर में होगी। इसी प्रकार नगर कौंसिल नूरमहल के 13 वार्डों के लिए गिनती केंद्र बी.डी.पी.ओ. दफ्तर नूरमहल, नगर कौंसिल फिल्लौर के 15 वार्डों के लिए कम्युनिटी हॉल फिल्लौर में स्थापित किए गए है।

वोटों की गिनती के लिए स्थापित 7 केंद्रों में 29 मई को छुट्टी घोषित

जालंधर (जालंधर ब्रीज). डिप्टी कमिश्नर वरजीत वालिया द्वारा जिले की 7 नगर कौंसिलों और नगर पंचायतों के लिए हुए मतदान की गिनती के लिए स्थापित 7 गिनती केंद्रों में 29 मई को छुट्टी का ऐलान किया गया है। जिले में वोटों की गिनती के लिए स्कूल ऑफ एमीनेन्स आदमपुर, स्कूल ऑफ एमीनेन्स लाडोवाली रोड (जालंधर), सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल (लड़के) लोहियां खास, ग्लोटिया गुरु हरगोबिंद बेट खालसा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, महितपुर, गुरु नानक नैशनल कॉलेज (लड़के) नकोदर, बाल विकास और पंचायत दफ्तर नूरमहल तथा कम्युनिटी हॉल फिल्लौर में गिनती केंद्र स्थापित किए गए हैं। जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि जिन स्कूलों/कॉलेजों में इन तारीखों को परीक्षाएं हैं, वे परीक्षाएं निर्धारित तिथियों पर ही होंगी और संबंधित स्टाफ स्कूल/कॉलेज में हाजिर रहना सुनिश्चित बनाएगा।

नगर पंचायत महितपुर के 13 वार्डों के लिए गिनती ग्लोटिया गुरु हरगोबिंद बेट खालसा सीनियर सेकेंडरी स्कूल महितपुर में होगी। नगर पंचायत लोहियां खास के 13 वार्डों के लिए गिनती केंद्र सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल (लड़के) लोहियां खास में स्थापित किया गया है। जिला चुनाव अधिकारी ने बताया कि वोटों की गिनती शुक्रवार सुबह 8 बजे शुरू हो जाएगी। गिनती के लिए लगभग 400 गिनती कर्मी तैनात किए गए है, जिसमें 25 प्रतिशत रिजर्व शामिल है। इसके अलावा 5 रिजर्व सहित 19 माइक्रो ऑब्जर्वर भी लगाए गए है। गिनती केंद्रों की सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए है।

वालिया ने कहा कि गिनती प्रक्रिया को बिना किसी बाधा और उचित ढंग से पूरा किया जाएगा। उन्होंने सभी गिनती स्टाफ को राज्य चुनाव आयोग की हिदायतों का पूरी तनदेही और ईमानदारी से पालन करते हुए गिनती कार्य को सफल बनाने का निर्देश दिया। जिले की 5 नगर कौंसिलों और 2 नगर पंचायतों के कुल 99 वार्डों के लिए 341 उम्मीदवार चुनाव मैदान में है।नगर कौंसिल आदमपुर 13 वार्ड के लिए 44 उम्मीदवार करतारपुर के वार्ड के लिए 50 उम्मीदवार नकोदर 17 वार्ड के लिए 55 उम्मीदवार नूरमहल 13 के वार्ड के लिए उम्मीदवार फिल्लौर के वार्ड के लिए 57 उम्मीदवार महितपुर 13 वार्ड के लिए 47 उम्मीदवार लोहियां खास के वार्ड के लिए 47 उम्मीदवारों के लिए 26 मई को मतदान हुआ था।

6 जगहों पर होगी नगर कौंसिलों के वोटों की गिनती : डीसी

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

जिला मजिस्ट्रेट आशिका जैन ने बताया कि राज्य चुनाव आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार जिले की 6 नगर कौंसिलों के लिए

वोटों की गिनती 29 मई दिन शुक्रवार को सुबह 8 बजे बनाए गए गिनती केंद्रों में होगी। जिला मजिस्ट्रेट ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा कि नगर कौंसिल गढ़शंकर की गिनती बब्बर अकाली मेमोरियल खालसा कॉलेज, गढ़शंकर में होगी। इसी तरह नगर कौंसिल हरियाणा की गिनती जी.जी.डी.एस.डी. कॉलेज, हरियाणा, नगर कौंसिल टांडा की गिनती स्कूल ऑफ एमीनेंस, टांडा, नगर कौंसिल गढ़दीवाला की गिनती खालसा सीनियर सेकेंडरी स्कूल गढ़दीवाला, नगर कौंसिल दसूहा की स्कूल ऑफ एमीनेंस दसूहा और नगर कौंसिल मुकेरियां के वोटों की गिनती एस.पी.एन. कॉलेज, मुकेरियां में होगी। उन्होंने बताया कि गिनती प्रक्रिया के सुचारू प्रबंधों को मुख्य रखते हुए गिनती केंद्रों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को 29 मई को मुकम्मल (पूर्ण) छुट्टी रहेगी।

जिला मजिस्ट्रेट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला होशियारपुर की सीमा के भीतर उपरोक्त दर्शाए गए सभी गिनती केंद्रों के आस-पास 100 मीटर के दायरे के अंदर 5 या इससे अधिक व्यक्तियों के इकट्ठा होने, किसी भी प्रकार का हथियार, लाठी या घातक वस्तुएं लेकर चलने पर मुकम्मल (पूर्ण) पाबंदी लगाने के आदेश जारी किए हैं।

गौरतलब है कि वोटों की गिनती के दौरान उम्मीदवारों के समर्थक और अन्य लोग गिनती केंद्रों के आस-पास भारी संख्या में इकट्ठा हो जाते हैं, जिस कारण कोई अप्रिय घटना घटने की आशंका बनी रहती है और कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है। जारी आदेशों के अनुसार ऐसी स्थिति में गिनती की गोपनीयता भंग होने का डर रहता है। जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि गिनती की प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुचारू ढंग से पूरा करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा पुख्ता प्रबंध किए गए हैं।

पंजाब के लिए खतरे की घंटी : वड़िंग

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा है कि अमृतसर में एक एएसआई की हत्या से संबंधित बताए जा रहे वीडियो फुटेज को आतंकवादियों द्वारा जारी करना बेहद गंभीर और चिंताजनक मामला है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि यह पंजाब के लिए खतरे की घंटी है और अफसोस जताया कि जिम्मेदार लोग इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह बहुत ही गंभीर और डरावना मामला है कि आतंकवादियों ने पहले ड्यूटी पर जा रहे एक पुलिस मुलाजिम की हत्या की, फिर उसका वीडियो बनाया और आखिरकार उसे सार्वजनिक रूप से जारी भी कर दिया। उन्होंने अफसोस जताया कि पंजाब पुलिस पहले इस घटना को आतंकवाद से जुड़ा मानने से इनकार कर रही थी। अगर यह वीडियो फुटेज सामने नहीं आती, तो पुलिस कभी भी इसे आतंकवादी घटना के रूप में स्वीकार नहीं करती।

भाजपा नेता बिट्टू का पंजाब पुलिस अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार सत्ता के घमंड और सिक्योरिटी फोर्स के प्रति बेइज़्ज़ती दिखाता है: बलतेज पन्नू

राजनीतिक ड्रामे के लिए पंजाब पुलिस को टारगेट करना और उनका हौसला तोड़ना खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना है: बलतेज पन्नू

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के स्टेट मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने धुरी में पंजाब पुलिस अधिकारियों के साथ भाजपा के केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के व्यवहार की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि बिट्टू के व्यवहार ने शराफ़त की सारी हदें पार कर दी हैं और इससे भाजपा नेता का सिक्योरिटी फोर्स के प्रति घमंड और बेइज़्ज़ती पूरी तरह से सबके सामने आ गई है।

गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पन्नू ने कहा कि रवनीत सिंह बिट्टू ने कैमरों के सामने पंजाब पुलिस अधिकारियों के साथ खुलेआम बदतमीज़ी की और अधिकारियों के लिए 'दलाल' जैसे अपमानजनक शब्दों का भी इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि एक केंद्रीय मंत्री का ऐसा व्यवहार पूरी तरह से बर्दाश्त के बाहर और गैर-ज़िम्मेदाराना है।

बलतेज पन्नू ने कहा कि चाहे पंजाब पुलिस हो, सेंट्रल आर्म्ड फोर्स हो या इंडियन आर्मी, हर सिक्योरिटी फोर्स इज्ज़त की हकदार है क्योंकि वे नागरिकों की सुरक्षा के लिए दिन-रात काम करते हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक ड्रामा के लिए पूरी फोर्स को टारगेट करना और उनका हौसला तोड़ने की कोशिश करना बहुत खतरनाक है। सिक्योरिटी वाले लोगों की सुरक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं और उनका इस तरह अपमान कभी नहीं होना चाहिए।

रवनीत सिंह बिट्टू के उस बयान पर कड़ा एतराज़ जताते हुए जिसमें उन्होंने कहा था कि जब भी चेकपॉइंट लगाए जाते हैं, पंजाबी पुलिस वालों के साथ गाली-गलौज की जाती है, पन्नू ने कहा कि यह बयान न सिर्फ़ पंजाब पुलिस का बल्कि पंजाब के लोगों का भी बहुत बड़ा अपमान है। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब पुलिस के जवानों, खासकर युवा अधिकारियों ने जनता के साथ व्यवहार करने का तरीका बदल दिया है और लोगों की सुरक्षा के लिए प्रोफेशनल तरीके से अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं।

रोड सेफ्टी फोर्स (एसएसएफ) के काम का ज़िक्र करते हुए बलतेज पन्नू ने कहा कि पंजाब पुलिस के जवानों की लगातार कोशिशों की वजह से आज एक्सीडेंट के शिकार लोगों को मिनटों में तुरंत मदद मिल जाती है। उन्होंने कहा कि जब भी लोगों को चोरी, हमला, एक्सीडेंट या कोई इमरजेंसी होती है, तो वे सबसे पहले पुलिस को फ़ोन करते हैं, गाली-गलौज करने के लिए नहीं। जब पुलिस चेकिंग होती है तो ईमानदार नागरिक ज़्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं। पुलिस चेकिंग से सिर्फ़ क्रिमिनल और एंटी-सोशल एलिमेंट ही परेशान होते हैं।

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू के बयानों पर अमन अरोड़ा का तीखा पलटवार

कहा- बिट्टू घटिया राजनीति और निजी कीचड़ उछालने के बजाय हमारे सिद्धांतों वाले सवालों का जवाब दें

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू पर पलटवार करते हुए उन पर लगे सभी आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। अमन अरोड़ा ने कहा कि आम आदमी पार्टी और पंजाब सरकार पंजाब में नगर निगम चुनाव पूरी तरह से शांतिपूर्ण तरीके से कराना चाहती थी, लेकिन धूरी और संगरूर में केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने जिस तरह की मारपीट और बदतमीजी दिखाई, उसकी उम्मीद पंजाब के किसी भी नागरिक को उनके जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से नहीं थी। इस गुंडागर्दी के

खिलाफ जब हमारी पार्टी और मैंने सैद्धांतिक सवाल उठाए, तो बिट्टू जी ने जवाब देने के बजाय, शालीनता की सारी हदें पार कर दीं। उन्होंने पूरी तरह से घटिया राजनीति की और मेरे और मेरे स्वर्गीय पिता के खिलाफ गंदे कीचड़ उछालने शुरू कर दिए, जिसका जवाब देना बेशक जरूरी है।

गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अमन अरोड़ा ने कहा कि हमारा सैद्धांतिक सवाल सीधा था कि एक तरफ तो आप पंजाब पुलिस के वर्दीधारी जवानों और अधिकारियों के गिरेबान पर हाथ डालते हैं, उन्हें 'दलाल' और 'गुंडा' जैसे शब्दों से संबोधित करते हैं। अगर आपको पंजाब पुलिस इतनी ही खराब लगती है, तो 2017 में, कांग्रेस सरकार के दौरान, आपने सारे नियम-कानूनों को ताक पर रखकर सीधे अपने भाई गुरइकबाल सिंह हनी को डीएसपी क्यों लगवाया था? आज भी आपके भाई पंजाब के खजाने से और पंजाब के लोगों के टैक्स के पैसे से सैलरी ले रहे हैं।

भाजपा सरकार के 'अमृत काल' के बड़े-बड़े दावे हुए फेल

भारत दुनिया के टॉप 15 निवेश स्थानों की लिस्ट से हुआ बाहर : हरपाल सिंह चीमा

निवेशकों का भरोसा टूट रहा है क्योंकि भाजपा सरकार असली सुधारों के बजाय सुर्खियां बटोरने पर ध्यान दे रही है: हरपाल सिंह चीमा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने गुरुवार को कहा कि एफडीआई भरोसे के मामले में दुनिया की टॉप 15 इकॉनमी की लिस्ट से भारत का

बाहर होना भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार में निवेशकों के भरोसे के गहरे संकट को दिखाता है। ताजा एफडीआई कॉन्फिडेंस इंडेक्स रैंकिंग का हवाला देते हुए, वित्त मंत्री ने कहा कि 2016 में भारत दुनिया के टॉप 10 निवेश स्थानों में से एक था, लेकिन अब यह 2026 में टॉप 15 लिस्ट से पूरी तरह बाहर हो गया है। विश्वव्यापी रैंकिंग का हवाला देते हुए, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यह घटनाक्रम भाजपा सरकार के प्रचार-आधारित दावों और भारतीय अर्थव्यवस्था की असली स्थिति के बीच बड़े अंतर को दिखाता है। 'एक्स' पर एक पोस्ट में, उन्होंने लिखा, "भारत कभी विदेशी निवेश के लिए दुनिया के टॉप स्थानों में से एक था। 2016 में, भारत ग्लोबल एफडीआई कॉन्फिडेंस के मामले में टॉप 10 अर्थव्यवस्थाओं में से एक था। आज, भारत टॉप 15 में भी नहीं है।"

वित्त मंत्री ने कहा कि विदेशी निवेशक तेज़ी से दूसरे ऑप्शन (दूसरे देशों) की ओर देख रहे हैं क्योंकि पिछले एक दशक में भारत के इन्वेस्टमेंट माहौल में भरोसा काफी कम हो गया है। उन्होंने कहा कि निवेशकों का भरोसा कम हो रहा है। एग्रीमेंट सिर्फ़ कागज़ पर रह गए हैं, इन्वेस्टमेंट का माहौल कमज़ोर हो गया है, पॉलिसी में अनिश्चितता बढ़ रही है और ट्रेड एग्रीमेंट मज़बूती के बजाय समझौते की स्थिति में किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा मतलब वाले आर्थिक सुधारों के बजाय अपनी इमेज चमकाना पसंद किया है। उन्होंने दावा किया कि 'अमृत काल' के सभी बड़े-बड़े दावों के बावजूद, असलियत यह है कि विदेशी निवेशक दूसरे देशों का रुख कर रहे हैं, जबकि भाजपा सरकार असली आर्थिक सुधारों के बजाय सिर्फ़ सुर्खियां बटोरने वाले प्रबंधों में लगी हुई है। फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) कॉन्फिडेंस रैंकिंग यह दिखाती है कि ग्लोबल निवेशक किसी देश की लंबे समय की आर्थिक स्थिरता, पॉलिसी की निरंतरता और ग्रोथ की संभावनाओं को कैसे देखते हैं।

महाराजा रणजीत सिंह प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के दो कैडेट बने भारतीय नौसेना के अधिकारी

धूरी के अर्पित और मोहाली के विशेष सूद के कमीशंड अधिकारी बनने से इंस्टीट्यूट के नौसेना अधिकारियों की संख्या 24 हुई

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/एसएएस नगर

महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के दो कैडेटों अर्पित पराशर (9वां कोर्स) और विशेष सूद (10वां कोर्स) को आज केरल के एझीमाला में इंडियन नेवल अकादमी की पासिंग आउट परेड (पीओपी) में भारतीय नौसेना में अधिकारी के रूप में कमीशन प्राप्त हुआ। परेड का निरीक्षण वाइस एडमिरल समीर सक्सेना, ए.वी.एस.एम., एन.एम., दक्षिणी नेवल कमांड के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ द्वारा किया गया।

संगरूर जिले के धूरी निवासी कैडेट अर्पित तथा एसएएस नगर (मोहाली) निवासी कैडेट विशेष सूद ने इंस्टीट्यूट में दो वर्ष का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद नेशनल डिफेंस अकादमी (एनडीए) में तीन वर्ष तथा आईएनए में एक वर्ष का सेवा-विशेष प्रशिक्षण पूरा किया। अब वे जल्द ही भारतीय नौसेना में अपनी सेवाएं निभाएंगे।

दोनों कैडेटों को बधाई देते हुए पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य के उन युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो सशस्त्र सेनाओं में शामिल होना चाहते हैं। इन अधिकारियों ने पंजाब का गौरव बढ़ाया है। आने वाले समय में कई अन्य कैडेट भी नई ऊंचाइयों को छुएंगे। इन कैडेटों के कमीशंड अधिकारी बनने के साथ ही भारतीय नौसेना में कमीशन प्राप्त करने वाले महाराजा रणजीत सिंह प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के कैडेटों की संख्या 24 हो गई है, जो संस्थान के लिए एक नया मील का पत्थर है। महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के निदेशक मेजर जनरल अजय एच चौहान, वीएसएम (सेवानिवृत्त) ने कहा कि इन कैडेटों के अलावा संस्थान के 24 अन्य कैडेट भी अपने एसएसबी इंटरव्यू पास कर चुके हैं और जून 2026 से विभिन्न प्रशिक्षण अकादमियों में शुरू होने वाले कोर्सों के लिए जॉइनिंग लेटर का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने नव-नियुक्त अधिकारियों के राष्ट्र सेवा में उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ज़ीरकपुर में टिकाऊ शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए पीपीसीबी ने बिल्डरों के साथ की विचार-विमर्श बैठक

• **जालंधर ब्रीज.** ज़ीरकपुर/चंडीगढ़

पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी), क्षेत्रीय कार्यालय एस.ए.एस. नगर द्वारा ज़ीरकपुर में बिल्डर वेलफेयर एसोसिएशन के साथ एक विचार-विमर्श बैठक आयोजित की गई। इस सत्र का आयोजन सुपरिंटेंडिंग एनवायरनमेंटल इंजीनियर (एसईई) इंजीनियर गुरशरण दास गर्ग और एग्जीक्यूटिव इंजीनियर (ईई) इंजीनियर कंवलदीप कौर की अगुवाई में किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संबंधी नियमों को सरल बनाना और बिल्डरों को निर्माण एवं हाउसिंग प्रोजेक्ट्स से संबंधित कानूनी प्रावधानों के बारे में मार्गदर्शन देना था। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि

बोर्ड का उद्देश्य केवल कानून लागू करना ही नहीं, बल्कि बेहतर तालमेल और पारदर्शिता के माध्यम से पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ शहरी विकास में सहायता करना भी है। बैठक के दौरान एसईई ने परियोजनाओं के निर्माण और उनके संचालन (ऑपरेशनल) दोनों चरणों के दौरान पर्यावरण क्लीयरेंस (ईसी) की शर्तों का पालन करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सलाह दी कि निर्माण चरण के दौरान पर्यावरण नियमों को बड़े बोर्डों पर प्रदर्शित किया जाए ताकि वहां कार्यरत स्टाफ और मजदूरों को इन नियमों को लागू करने की लगातार याद बनी रहे। बिल्डरों को प्रेरित किया गया कि वे किसी तीसरे पक्ष (एजेंटों) पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय आवेदन फार्मों को स्वयं पढ़ें, समझें और सही तरीके से भरें, ताकि आपसी समन्वय बेहतर हो सके और नियमों के पालन की प्रक्रिया आसान बने।

आगामी मानसून सीजन की तैयारियों पर विशेष जोर दिया गया। बिल्डरों को सलाह दी गई कि वे वर्षा जल संचयन गड्ढों (रेनवॉटर हार्वेस्टिंग पिट्स) की सफाई करवाएं और यह सुनिश्चित करें कि भूजल की गुणवत्ता को सुरक्षित रखने के लिए रिचार्ज प्रणालियों में केवल सतह का साफ पानी ही जाए। बोर्ड ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों (एसटीपी) को सही तरीके से संचालित करने, उपचारित पानी की ड्यूल प्लंबिंग और बागवानी में उपयोग सुनिश्चित करने तथा घरेलू गंदे पानी को बिना अनुमति बाहर छोड़ने से सख्ती से बचने के लिए भी कहा।

बुमराह हो या कमिंस, किसी के रसूख से नहीं डरता सूर्यवंशी

स्पोर्ट्स डेस्क. वैभव सूर्यवंशी मौजूदा आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) 2026 में लगातार चर्चा का विषय बने हुए हैं। 15 वर्षीय यह खिलाड़ी फिलहाल टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी है और टूर्नामेंट के एलिमिनेटर में क्रिस गेल के सबसे तेज आईपीएल शतक के रिकॉर्ड को तोड़ने के बेहद करीब भी पहुंच गया था। पूरे सीजन में इस युवा खिलाड़ी ने गेंदबाजों को परेशान किया है और इसी सिलसिले में उनके साथी खिलाड़ी ध्रुव जुरेल ने चर्चा के केंद्र में आकर बताया कि मैदान पर रहते हुए वैभव सूर्यवंशी कैसे सोचते हैं।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में ध्रुव जुरेल ने कहा कि वैभव के बारे में मैंने जो सबसे अच्छी बात देखी है, वह यह

फोटो-आईपीएल

है कि वह कुछ भी प्लान नहीं करता। क्योंकि वह बहुत अभ्यास करता है और हमेशा खुद पर भरोसा रखता है। जब भी वह मैदान पर खेलने जाता है, तो यही करता है। उसकी सबसे अच्छी बात यही है कि वह खुद पर भरोसा रखता है। उसे जरा भी शक नहीं होता कि मैं यह नहीं कर सकता। उन्होंने आगे कहा कि जब हम किसी अकादमी में जाते हैं, तो हमें बताया जाता है कि 'गेंदबाज को मत देखो, गेंद को देखो।' उनका मूलमंत्र है 'मुझे किसी भी गेंदबाज की परवाह नहीं है। पंद्रह वर्ष के सूर्यवंशी ने आईपीएल में जसप्रीत बुमराह से लेकर पैट कमिंस तक सभी की बखिया उधेड़ी है। मोहम्मद सिराज, जोश हेजलवुड और कैगिसो रबाडा की गेंदों पर भी उन्होंने खूब रन बनाये हैं। जुरेल ने कहा कि वैभव के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह कुछ योजना बनाकर नहीं खेलता क्योंकि वह बहुत अभ्यास करता है और उसे खुद पर भरोसा है। उसे खुद पर एक पल को भी संदेह नहीं होता कि वह ऐसा नहीं कर सकेगा।

इस सत्र में छह अर्धशतक जमा चुके जुरेल ने कहा कि जब हम अकादमी में जाते हैं तो हमसे कहा जाता है कि गेंदबाज को नहीं, गेंद को देखो। 17 बरस की उम्र में हम हमेशा गेंदबाज को देखते हैं कि यह इतना बड़ा गेंदबाज है लेकिन वैभव सिर्फ गेंद को देखता है। वह किसी गेंदबाज की परवाह नहीं करता।' सनराइजर्स हैदराबाद के सहायक कोच जेम्स फ्रेंकलिन ने कहा कि समझ में नहीं आता कि उसे कहां गेंद डाली जाये। हमने उसे फुल लैंग्थ, लेग स्टम्प के भीतर, स्विंग हर गेंद डालकर देखा लेकिन उसने आसानी से खेल ली। पिच भी बल्लेबाजों की मददगार थी।

केवल ढिल्लों को भाजपा पंजाब प्रदेश अध्यक्ष बनने पर दी शुभकामनाएं

जालंधर (जालंधर ब्रीज). भारतीय जनता पार्टी पंजाब के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री केवल सिंह ढिल्लों को भाजपा पंजाब के प्रदेश महामंत्री राकेश राठौर ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

राकेश राठौर ने कहा कि केवल सिंह ढिल्लों एक अनुभवी, कर्मठ एवं जनप्रिय नेता हैं, जिनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी पंजाब में संगठन को नई मजबूती मिलेगी तथा पार्टी और अधिक व्यापक स्तर पर जनता से जुड़ेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता आज भाजपा की राष्ट्रवादी नीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास जता रही है तथा आने वाले समय में भाजपा पंजाब में एक मजबूत राजनीतिक शक्ति बनकर उभरेगी।

केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में 2027 में भाजपा जीत का परचम लहराएगी : शीतल अंगुराल

वेस्ट विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक शीतल अंगुराल ने केवल सिंह ढिल्लों को भारतीय जनता पार्टी पंजाब प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। शीतल अंगुराल ने कहा कि केवल सिंह ढिल्लों एक मेहनती, जुझारू और अनुभवी नेता हैं, जिनके नेतृत्व में पंजाब भाजपा संगठन और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पंजाब में जीत का परचम लहराएगी और प्रदेश में विकास व जनहित की राजनीति को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता पूरी मजबूती और एकजुटता के साथ प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, J7 NEAR BUS STAND SUBHANPUR (HAMIRA), KAPURTHALA, PUNJAB - 144808, and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.